Sl.No. :

नामांक Roll No.

No. of Questions – 25

No. of Printed Pages – 3

यहाँ से काटिए

VU–90–Jyot.Shas.

वरिष्ठ उपाध्याय परीक्षा, 2018

ज्योतिष शास्त्रम्

समय : 3¼ घण्टे

पूर्णांक : 56

प्रश्न पत्र को खोलने के लिए यहाँ फाड़ें

परीक्षार्थिभ्य: सामान्यनिर्देशा:

1) परीक्षार्थिभि: सर्वप्रथमं स्वप्रश्नपत्रोपरि नामांङ्का: अनिवार्यत: लेख्या: ।

2) सर्वे प्रश्ना: अनिवार्या: ।

3) सर्वेषां प्रश्नानामुत्तराण्युत्तरपुस्तिकायामेव लेखनीयानि ।

4) एकस्य प्रश्नस्य सर्वे भागा: एकत्र एव लेखनीया ।

5) सर्वे प्रश्ना: संस्कृतमाध्यमेन उत्तरणीया: ।

यहाँ से काटिए

1) संख्यामधिकृत्यशास्त्रस्य नाम किम्? [½]

2) बीजगणितस्य रचनाकार: क:? [½]

3) काति केन्द्रस्थानानि? [½]

4) मेषवृश्चिकयोर्स्वामि: क:? [½]

5) विविध दशानां नामानि लिखत? [½]

6) पंक्ते परिभाषा प्रदेय। [1]

7) धनर्णसंकलन करणसूत्रं लिखत। [1]

8) यात्रायां वारभूलविचारो लेख्य:। [1½]

9) जीवपक्षनक्षत्राणि कानि भवत्ति? [1½]

10) अयनांशसाधन विधि लिखत। [1½]

11) बीजगणितस्य संक्षिप्तपरिचयो प्रदेय:। [2½]

12) धनं धनेनर्णमृणेन निघ्नं द्वयंत्रयेण स्वमृणेन किं स्यात्? [2½]

13) यत्र गुण्य: या 5 रू 1 गुणक: या 3 रू 2 तत्र गुणनफलं किम्? [2½]

14) वर्गमूले करणसूत्रं वृत्तम् लिखत। [2½]

15) स्वकल्पित उदाहरणेन भयात-भभोगानयनं कुरुत। [2½]

16) मेषादिराथिनां लंङ्कोदयमानानि लिखत। [2½]

17) यात्रासमये सौरमासफलं लेख्य। [2½]

18) विंशोत्तरी दशासाधनविधिं लिखत। [2½]

19) यात्रायां सर्वाङ्गज्ञानं कथं भवति? लेख्य:। [2½]

20) परिघदण्ड परिहारो लेख्य:। [2½]

21) एकविंशतियुतं शतद्वयं, यद्गुणं गणक पञ्चषष्टियुक्। [4]

पञ्चवर्जित शतद्वयोद्धतं, शुद्धमेति गुणकं वदाशु तम्।।

अथवा

भाज्य 100 हार 63 क्षेप 90, साधनं कुरूत।

22) किं नाम कुट्टकः? स्पष्टयत। [4]

अथवा

संश्लिष्टकुट्टकस्य सूत्रं विलिख्य स्पष्टयत।

23) यात्रायां दिग्द्वारलग्नस्य प्रशस्ततां लिखत। [4]

अथवा

यात्रायां लालाटिक योगो लेख्यः।

24) काकिणी विचारः सोदाहरणं स्पष्टयत। [5]

अथवा

वास्तुदिग्भेदेन उपकरणगृहं सचित्रं स्पष्टयत।

25) स्वकल्पितोदाहरणेन चन्द्रस्पष्टीकरणं कुरुत। [5]

अथवा

योगिनी दशाचक्रं वर्णयत।

● ● ●

DO NOT WRITE ANYTHING HERE